● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

02 बिहार के अधिकतर शहरों की वायु गुणवत्ता 300 के पार
03 सफाईकर्मियों सुनिश्चित करें गुणवत्तापूर्ण सफाई

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, मंगलवार, 14 नवम्बर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए ● वर्ष: 04, अंक: 276

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने हैदराबाद अग्नि त्रासदी पर संवेदना जताई

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को हैदराबाद की एक आवासीय इमारत में लगी भीषण आग को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए घटना से प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। भीषण आग में कम से कम नौ लोगों की जान चली गई और तीन लोग घायल हो गए। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट में कहा, "हैदराबाद में एक इमारत में आग लगने की घटना के कारण लोगों की दुर्भाग्यपूर्ण हानि से दुखी हूं। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।" उपराष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट में कहा, "हैदराबाद में दुखद आग की घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं।"

मप्र पर कब्जा करना चाहती है: नरेन्द्र मोदी

राजस्थान और छत्तीसगढ़ में देखिए, कैसे कांग्रेस की काली कमाई से नोटों के ढेर निकल रहे हैं

बीएनएम@भोपाल

सत्ता मिलते ही कांग्रेस जनता को भूलकर लूट का कारोबार शुरू कर देगी। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार जिस राज्य में आती है लोगों के लिए अपने त्योहार मनाना भी मुश्किल हो जाता है। आपने पड़ोसी राज्य राजस्थान में देखा ही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस अपनी खाली तिजोरी भरने के लिए मध्य प्रदेश पर कब्जा करना चाहती है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में देखिए, कैसे कांग्रेस की काली कमाई से नोटों के ढेर निकल रहे हैं। क्या ये ईमानदारी की कमाई है? इस कमाई को गद्दों के नीचे छुपाने की क्या जरूरत है? एक तरफ कांग्रेस और दूसरी तरफ भाजपा है। भाजपा राष्ट्र निर्माण के संकल्प को पूरा करने के लिए कार्य कर रही है। भारत को विश्व पटल पर नई ऊंचाइयां मिली है। हर जगह हिन्दुस्तान की जय जयकार हो रही है।

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार शाम को मप्र के बड़वानी जिले में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह मध्य प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य को तय करने का चुनाव है। एक तरफ कांग्रेस के नेता हैं, जिन्होंने मध्यप्रदेश को अंधेरे में धकेल दिया था। दूसरी तरफ भाजपा है जिसने मध्यप्रदेश को विकास का रास्ता दिखाया। उन्होंने कहा कि बरसों तक कांग्रेस ने आदिवासी समाज को नजरअंदाज किया। कभी आदिवासी समाज की परवाह नहीं की। ऐसे आदिवासी समाज को न्याय दिलाने का काम भाजपा ने किया है।

मोदी ने कहा कि भाजपा ने यहां जो संकल्प पत्र जारी किया है, वह मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाएगा, प्रदेश को नई ऊंचाई पर लेकर जाएगा। भाजपा का संकल्प पत्र युवाओं, महिलाओं को और सशक्त बनाने वाला है। यह हर परिवार को मजबूत जिंदगी देने वाला है। भाजपा जो कहती है वो करके दिखाती है, जनता से किये हर वादे पूरे होंगे ये मेरी गारंटी है।

उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के लिए कांग्रेस कुछ भी वादा कर सकती है। ये लोग मध्य प्रदेश की जनता को सोने का महल बनाने का वादा भी कर सकते हैं। सत्ता मिलते ही कांग्रेस जनता को भूलकर लूट का कारोबार शुरू कर देगी।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार जिस राज्य में आती है लोगों के लिए अपने त्योहार मनाना भी मुश्किल हो जाता है। आपने पड़ोसी राज्य राजस्थान में देखा ही है। कांग्रेस के कुशासन में कैमरा के सामने, सिर तन से जुदा के नारे लगाए जा रहे हैं। हमें राजस्थान को बचाना है और मध्यप्रदेश को बर्बादी के राह पर जाने से बचाना है।

कांग्रेस मतलब– तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा: अमित शाह

राघौगढ़। गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को राघौगढ़ में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस का मतलब तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा। करप्शननाथ- कमलनाथ, बंटाढार दिग्विजय सिंह और सोनिया गांधी। तीनों अपने-अपने बेटों को स्थापित करना चाहते हैं तो क्या ये देश और प्रदेश की जनता की भलाई के लिए कुछ कर पाएंगे।

अमित शाह ने कहा कि आदेश दिल्ली से आता है और निर्देश कमलनाथ देते हैं। गलती होने के बाद दिग्विजय के माथे सारा ठिकरा फोड़ा दिया जाता है। जब कांग्रेस कपड़ा फाड़ने में लगी हो तो उसे दूसरों की भलाई नहीं कर सकती है। शाह ने अशोकनगर के चंदेरी विधानसभा में भी पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया।

किसानों को मिलेगा 12 हजार

केन्द्रीय गृह शाह ने कहा कि भाजपा की सरकार वापस आने पर किसानों को 12 हजार रुपये की सम्मान निधि मिलेगी। स्वास्थ्य बीमा की राशि पांच लाख से बढ़ा कर 10 लाख रुपये तक की जाएगी। मध्य प्रदेश को पहले बीमारू राज्य के नाम से जाना जाता था, लेकिन पिछले 18 साल के शासन में भाजपा की सरकार ने इसे विकसित राज्य की श्रेणी में लाकर खड़ा किया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में मध्यप्रदेश को सिर्फ मनमोहन सिंह की सरकार में दो लाख करोड़ रुपया मिलता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार प्रदेश को विकास के लिए 15 लाख करोड़ रुपया देती है। 65 लाख लोगों के घरों में अब नलों का पानी पहुंच रहा है। 82 लाख महिलाओं को उज्वला योजना का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 80 करोड़ लोगों को आने वाले पांच सालों तक मुफ्त में राशन देने का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस की सरकार फिर प्रदेश में आ गई तो कई योजनाओं पर ताला लगा देगी। 15 माह की कमलनाथ सरकार ने 51 योजनाओं को बंद कर दिया था।

राहुल गांधी ने शिवराज सरकार पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

भोपाल। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर किसानों की कर्ज माफी का वादा पूरा किया। लेकिन भाजपा ने लोगों की चुनी हुई सरकार की चोरी कर ली। उन्होंने मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया।

राहुल गांधी सोमवार को नीमच जिले के जावद में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बेरोजगारी का उल्लेख करते हुए कहा कि रोजगार अरबपति नहीं बल्कि छोटे-छोटे उद्योग देते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि किसी प्रदेश को मजबूत करने की शुरुआत किसानों से होती है।

उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मध्य प्रदेश के युवाओं से पूछता था, क्या करते हो तो जवाब मिला कुछ नहीं। ये हालत है प्रदेश में बेरोजगारी की। किसी भी युवा से पूछो क्या किया? कहते हैं पढ़ाई तो कर ली, डिग्री भी ले ली, लेकिन काम नहीं मिला। राहुल गांधी ने कहा कि ये प्रदेश के युवाओं को रोजगार नहीं दे सकते। आपकी टी- शर्ट, मोबाइल, चप्पल सभी में अगर आप देखें तो आपको मेड इन चाइना नजर आएगा। मैं मेड इन चाइना को मेड इन मध्यप्रदेश बनाना चाहता हूं।

टेंट हाउस के गोदाम में आग लगने से तीन कर्मचारियों की मौत

हल्द्वानी। उत्तराखंड के हल्द्वानी में आनन्दपुरी नवाबी रोड स्थित कुमाऊं टेंट हाउस के गोदाम में दीपावली की रात लगी आग में तीन लोगों की मौत हो गई।

यह तीनों यहां के कर्मचारी बताए गए हैं। वह गोदाम में सो रहे थे। आग से गोदाम का सारा सामान जलकर राख हो गया। इसकी पुष्टि एसपी सिटी हरबंस सिंह ने की है।

उन्होंने बताया कि वाकया रात करीब 12:00 बजे के आसपास का है। हल्द्वानी और रामनगर से पहुंची दमकल की करीब 22 गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद करीब तीन बजे आग पर नियंत्रण पाया। तीनों शव बुरी तरह झुलसे हुए हैं। इसलिए उनकी पहचान करने में मुश्किल आ रही है।

पुलिस के मुताबिक मुनीम खीम सिंह ने बताया है कि यह टेंट हाउस पुष्पा हैड़िया हल्द्वानी के नाम पर पंजीकृत है। देखरेख उनके बेटे गिरीश चन्द्र हैड़िया करते हैं। यहां कुल छह कर्मचारी कार्यरत हैं।

इनमें से सुमेत निवासी मोहम्मदी खीरी उत्तर प्रदेश, गुड्डू उर्फ लालता प्रसाद निवासी धखिया बुजुर्ग खीरी उत्तर प्रदेश एवं नीरज कुमार निवासी धखिया बुजुर्ग नीमगांव उत्तर प्रदेश इस समय मौके पर मौजूद हैं।

टेंट हाउस के मुनीम खीम सिंह का कहना है कि रोहित पुरी (25)निवासी ग्राम मोहना गांव थाली नतोला धारी नैनीताल, रविन्द्र कुमार (31)निवासी गांधीनगर मालधन चौड़ रामनगर और कृष्णा निवासी मालधन चौड़ रामनगर लापता हैं। गोदाम में आग लगने से जलकर मरे तीन लोग यही हो सकते हैं।

मुश्किल | हवा हुई खराब, एक्यूआई पहुंचा 250 पार

दिल्ली-एनसीआर की हवा में पटाखों ने घोला जहर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर में पांच दिन पहले गुरुवार को हुई बरसात से सुधरी हवा आज (सोमवार) सुबह फिर और ज्यादा खराब हो गई। दीपावली की खुशी में डूबे अधिकांश लोगों ने पटाखों पर लगे सुप्रीम कोर्ट के प्रतिबंध की परवाह नहीं की। रात को पटाखे छुड़ाकर आसमान को धुआं-धुआं कर दम फुला दिया दिया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी हुई है। आज सुबह आनंद विहार में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 296, आरके पुरम में 290, पंजाबी बाग में 280 और आईटीओ में 263 रहा। कल (शनिवार) के मुकाबले इसमें इजाफा हुआ है। कल सुबह दिल्ली के आनंद विहार में एक्यूआई 266,

आरके पुरम में 241, पंजाबी बाग में 233 और आईटीओ में 227 रहा था।

समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में पिछले 24 घंटे में हुए उछाल से आज राजधानी की सुबह धुएं चादर में ढकी रही। दृश्यता भी कम रही। कल की तरह आज (भी) हवा की गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में है। सुबह छह बजे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विभिन्न हिस्सों के दृश्यों में सड़कों पर घनी धुंध छाई रही। इससे दृश्यता काफी कम हो गई है और कुछ सौ मीटर से आगे देखना मुश्किल हो गया।

हाल ही में, दिल्ली सरकार ने भी पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार ने खराब हवा से निपटने के लिए 'कृत्रिम बारिश' कराने पर भी विचार किया था। मगर बरसात होने से मिली बड़ी राहत से सरकार ने इरादा टाल दिया था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में सोमवार सुबह वायु गुणवत्ता का स्तर 300 पर आ गया।

बोर्ड ने चेताया है कि उत्तर पश्चिम की तरफ से हवा चलने के कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ सकता है।

बेगूसराय में दुष्कर्म के बाद नाबालिग की हत्या, जांच में जुटी एफएसएल एवं डॉग स्क्वायड

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय में सोमवार को आठ वर्षीय बच्ची दुष्कर्म के बाद हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर चिमनी के समीप की है। घटना को लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) एवं डॉग स्क्वायड कि टीम मामले की छांव में कर रही है।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि नीमा चांदपुरा थाना क्षेत्र की चांदपुरा गांव निवासी पिछड़ा वर्ग समाज की लड़की सिकंदरपुर रजौड़ा स्थित अपने ननिहाल में रह रही थी। सोमवार को होने वाले सोमवारी वेड़ के लिए केला का पत्ता एवं फूल लाने के लिए सुबह करीब छह बजे बच्ची अपने नानी के साथ घर से निकली थी, लेकिन केला बगान के समीप से गायब हो गई और घर नहीं लौटी। थोड़ी देर बाद नानी के साथ बच्चों के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू किया। खोजबीन के दौरान तीन-चार घंटे के बाद सिकंदरपुर के समीप स्थित चिमनी के बगल में एक बांसवाड़ी के गड्ढे से अर्धनग्न हालत में बच्ची को बरामद किया गया। आनन-फानन में में परिजन उसे लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। बच्ची के बाल में लगा रबर बांसवाड़ी में मिला। वहीं, शरीर में नीचे पहना गया स्कर्ट गड्ढे के ऊपर से बरामद किया गया है, अंतर्वस्त्र भी खुला हुआ पाया गया है। जिससे आशंका जताई जा रही है कि दुष्कर्म के दौरान गला दबाकर उसकी हत्या की गई है। फिलहाल घटना को लेकर लोगों में काफी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि पुलिस त्वरित अनुसंधान कर हत्यारे को तुरंत गिरफ्तार करे।

घटना से आक्रोशित लोगों ने हत्याकांड को अंजाम देने वाले हत्यारे को अविलंब गिरफ्तार कर स्पीडी ट्रायल के माध्यम से फांसी की सजा देने की मांग को लेकर शव के साथ एसएच-55 को रजौड़ा चौक के समीप जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पहुंचे सदर डीएसपी अमित कुमार ने मामले का शीघ्र अनुसंधान कर हत्यारे को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। इसके बाद दो बजे शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया।

एसपी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए घटना के उद्भेदन एवं घटना में शामिल बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए सदर डीएसपी अमित कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया है। जिसमें मुफस्सिल थानाध्यक्ष सुदीन राम, महिला थानाध्यक्षशिल्पी कुमारी, एवं जिला आसूचना इकाई को शामिल किया गया है। एफएसएल टीम एवं डॉग स्क्वायड जांच कर रही है, जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

भाजपा का यादव सम्मेलन मंगलवार को

पटना। लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरने के लिए बिहार में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी अपनी कमर कस ली है। परिपेक्ष में भारतीय जनता पार्टी मंगलवार यानी 14 नवंबर को पटना के बापू सभागार में यादव सम्मेलन करने जा रही है। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय की अगुआई में होने जा रहे इस यादव सम्मेलन से बिहार की सियासत में खलबली मच गई है। मंगलवार को गोवर्धन पूजा के दिन पटना के बापू सभागार में 20 से 40 हजार से अधिक लोगों के भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने का दावा किया जा रहा है।

बिहार के अधिकतर शहरों की वायु गुणवत्ता 300 के पार

बीएनएम@पटना

दीपावली के बाद बिहार की हवा जहरीली हो गई है। सोमवार को राजधानी पटना सहित बेगूसराय, छपरा, कटिहा, राजगीर समेत अन्य शहरों का वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से अधिक रिकॉर्ड किया गया।

दीपावली के शाम पटना का वायु गुणवत्ता सूचकांक पीएम 2.5 का स्तर 400 से भी अधिक दर्ज किया गया है। सोमवार की सुबह वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार देखने को मिला और यह 344 रिकॉर्ड किया गया है। हालांकि, बेगूसराय में वायु गुणवत्ता सूचकांक बिहार में सर्वाधिक पीएम 2.5 का स्तर 399 रिकॉर्ड किया गया है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी वायु गुणवत्ता सूचकांक के अनुसार, पटना में पीएम 2.5 का स्तर सोमवार की सुबह 342, छपरा में 338, भागलपुर में 333, पूर्णिया में 344, बेतिया में 388, राजगीर में 338 रिकॉर्ड किया गया है।

अधिकारी आईएएस एसोसिएशन से अलग होकर दिखाएं: रंजन

बेगूसराय। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा बीपीएससी द्वारा नियुक्त किए गए शिक्षकों को संघ संगठन बनाने से रोके जाने का विरोध शुरू हो गया है। प्राथमिक शिक्षक साझा मंच के समन्वय समिति सदस्य रंजन कुमार ने इस आदेश को लेकर बड़ा सवाल उठाया है।

रंजन कुमार ने कहा है कि नवनियुक्त शिक्षकों को किसी भी तरह से कोई भी संघ-संगठन बनाने अथवा उसमें शामिल होने या फिर किसी भी तरह के सांगठनिक आंदोलन का हिस्सा बनने, उसमें भाग लेने या उसका वैचारिक समर्थन करने जैसे मसलों को लेकर शिक्षा विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति काफी हैरतअंगेज है।

आजादी से पहले अंग्रेजों के दमनकारी कंपनी राज के समय की याद दिलाती प्रतीत हो रही है। हालांकि अंग्रेजों के समय से ही सरकारी कर्मियों के संघ बनाने के उदाहरण मिलते हैं । जिसमें एमेलगेमेट्ड सोसाइटी ऑफ रेलवे सर्वेंट ऑफ इंडिया एंड वर्मा (1897) तथा द इंडियन सिविल सर्विस एसोसियेशन (1918) आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक-1920)जैसे नाम प्रमुख हैं।

स्वतंत्रता के बाद 26 जनवरी 1950 को लागू किए गए भारतीय संविधान में भी संस्था तथा संघ बनाने के संवैधानिक अधिकार का प्रावधान किया गया। बशर्ते कि वह सार्वजनिक व्यवस्था अथवा नैतिकता के मार्ग में बाधक नहीं हो। संविधान में साधारण तौर पर एक आम नागरिक को प्रदत्त मूलभूत अधिकार, अधिकांशतः सिविल सेवकों/कर्मचारियों को पूर्व से ही प्राप्त हैं।

किसी व्यक्ति अथवा समूह के संविधान प्रदत्त अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप करने संबंधी कोई शक्ति, किसी भी स्तर पर किसी लोकसेवक/ कार्यपालक पदाधिकारी के पास ना कभी थी, ना है और आगे भी ना कभी होगी। प्रेस विज्ञप्ति निकालकर शिक्षकों को भयभीत करने वाले अधिकारी के पास अगर इतनी ही शक्ति है तो किसी भी शिक्षक को संगठन बनाने अथवा संगठन में शामिल होने से रोकने के लिए विधानमंडल या कैबिनेट की स्वीकृति के साथ सरकार का कोई अध्यादेश, संकल्प या अधिसूचना निर्गत करने की हिम्मत तो दिखाएं।

बिहार के कैमूर में तालाब में डूबने से पांच बच्चों की मौत

पटना। बिहार में कैमूर जिले के करमचट थाना क्षेत्र के धवपओखर गांव में सोमवार को तालाब में नहाने के दौरान पांच बच्चों की डूबने से मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक रिंकू देवी दो दिन पूर्व अपने मायके धवपोखर आई थी। वह सोमवार की सुबह धान की कटनी करने गई थी। उन्हें खाना लेकर सभी आठ बच्चे खेत पर गए। खाना देकर वे कुड़ारी गांव के मौजा में स्थित फकीराना तालाब में स्नान करने लगे। इसी दौरान पांच बच्चे गहरे पानी में चले गए, जबकि तीन तालाब के किनारे ही थे।

तीनों बच्चों ने जब पांचों बच्चों को डूबते हुए देखा, तो खेत पर धान की कटनी कर रही रिंकू देवी को जानकारी दी। वहां से रिंकू देवी तालाब पर आई, तो उन्होंने दो बच्चों को बचा लिया। इस बीच गांव का एक युवक तालाब की तरफ आया तो उसने गांव में फोन से सूचना दी। गांव के लोगों ने तालाब में डूबे तीन बच्चों को बाहर निकाला।

दु :खद | डेढ़ घंटे परिचालन रहा बाधित

द बर्निंग ट्रेन बनने से बची राजधानी एक्सप्रेस

बीएनएम@बेगूसराय

नई दिल्ली से डिब्रूगढ़ जा रही राजधानी एक्सप्रेस सोमवार को मुजफ्फरपुर-बरौनी रेल खंड पर द बर्निंग ट्रेन बनने से बाल-बाल बच गई। चालक दल के सदस्यों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया लेकिन ट्रेन करीब डेढ़ घंटे तक खड़ी रही, जिससे रेल प्रशासन में हड़कंप मचा रहा।

बछवाड़ा जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या-चार पर सोमवार की सुबह नई दिल्ली से डिब्रूगढ़ जाने वाली गाड़ी संख्या 12424 राजधानी एक्सप्रेस के इंजन के ओएचई से संपर्क होने वाले इंजन में लगे पेंटो से जोरदार आवाज आने को लेकर ट्रेन का परिचालन करीब डेढ़ घंटा परिचालन बाधित रहा। बछवाड़ा जंक्शन के प्लेटफार्म पर सुबह 6:18 बजे से राजधानी एक्सप्रेस रुकी रही। चालक दल के सदस्य एच.डी. द्विवेदी एवं सहायक चालक अफरोज आलम ने बताया कि सुबह 6:18 बजे अचानक इंजन के ऊपर आग के गोले उठने से ट्रेन को तत्काल बछवाड़ा जंक्शन के प्लेटफार्म पर खड़ी की गई। विद्युत कर्षण विभाग बरौनी को सूचना देने के बाद बरौनी से तकनीकी विभाग की टीम पहुंची। इसके बाद दूसरे इंजन की मदद से सुबह 7:49 पर ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया गया। इस दौरान हाजीपुर-बरौनी एवं मुजफ्फरपुर-बरौनी रेलखंड पर कई ट्रेनों का परिचालन बाधित रहा। इसके साथ ही बछवाड़ा जंक्शन के समीप गुमटी नंबर-22 भी करीब डेढ़ घंटे तक बाधित रहा। जिससे लोगों के आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

DM एवं SP ने छठ घाटों का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

महिलाओं के लिए ड्रेस चेंजिंग रूम निर्माण कराने का निर्देश

खतरनाक घाटों की घेराबंदी सहित आगे जाना मना है, का फ्लेक्स, बैनर लगवाने का निर्देश

बेहतर तरीके से क्राउड मैनेजमेंट की व्यवस्था करने का निर्देश

बीएनएम@बेतिया

जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय एवं पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी द्वारा सोमवार को सागर पोखरा, उतरवारी पोखरा, संत घाट, दुर्गाबाग छठ घाटों का निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

निरीक्षण के दौरान छठ पूजा आयोजन समिति के सदस्यों, माननीय जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों से छठ घाट से संबंधित फीडबैक जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा लिया गया।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के क्रम में कहा कि छठ पर्व के अवसर पर काफी संख्या में छठव्रती महिला-पुरूष विभिन्न नदी घाटों एवं तालाब घाटों पर एकत्रित होकर भगवान भास्कर को अर्घ्य देंगे। इस दौरान अर्घ्य देने के समय भीड़भाड़ वाले घाट पर भगदड़ नहीं मचे, कोई भी श्रद्धालु पानी में डूबे नहीं इसका खास ख्याल रखना है। इसके साथ ही सभी छठ घाटों पर सभी व्यवस्थाएं पुख्ता रखनी है ताकि छठव्रतियों को परेशानी नहीं हो।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी घाटों पर साफ-सफाई, बैरिकेडिंग के साथ ही साथ पूरे छठ घाट परिसरों में आयोजकों से समन्वय स्थापित कर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाय। साथ ही महिला छठ व्रतियों की सुविधा के मद्देजनर पर्याप्त संख्या में चेंजिंग रूम की भी व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाय ताकि श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।

उन्होंने कहा कि जहां गहराई ज्यादा हो वहां पर मजबूत बैरिकेडिंग कराना सुनिश्चित करें ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना नहीं हो। ज्यादा गहराई वाले घाटों पर इसके आगे जाना खतरनाक है की तख्ती लगवाना भी आवश्यक है ताकि सभी श्रद्धालुओं को स्पष्ट रूप से दिखाई दें।

कार्यपालक अभियंता, विधुत को निदेश दिया गया कि घाटों पर बिजली व्यवस्था की अच्छे तरीक़े से निगरानी आवश्यक है। इस हेतु समुचित कदम उठाए। साथ ही घाटों के आसपास के क्षेत्रों में प्रॉपर तरीके से गार्ड वायर की व्यवस्था करें। नगर आयुक्त, नगर निगम, बेतिया को घाटों की तरफ जाने वाली सड़कों, पहुंच पथों की लेबलिंग कराने, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, चूना/ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव आदि व्यवस्था करने को कहा गया है।

उन्होंने निर्देश दिया कि छठ पर्व के दौरान यातायात व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाय। पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। छठव्रती महिलाओं एवं पुरूषों को पूजा में व्यवधान नहीं हो, इसे हेतु कारगर कार्रवाई की जाय। घाटों पर सभी आवश्यक संसाधन की व्यवस्था की जाय।

जिलाधिकारी द्वारा सिविल सर्जन को निदेश दिया गया है कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आवश्यक दवाईयों के साथ डॉक्टर ससमय उपस्थित रहेंगे तथा एंबुलेंस को अपडेट रखेंगे। इसके साथ ही महत्वपूर्ण छठ घाटों पर चिकित्सीय दल/एंबुलेंस/आवश्यक दवाई/पारा मेडिकल स्टॉफ आदि की प्रतिनियुक्ति करने हेतु निदेश दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी ने कहा कि विधि-व्यवस्था संधारण तथा सुरक्षा की दृष्टिकोण से सभी घाटों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस पदाधिकारी तथा पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की जायेगी। उन्होंने कहा कि उतरवारी पोखरा छठ घाट पर विद्युत तार पंडाल से काफी नजदीक है। छठव्रतियों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से पंडाल की हाईट कम किया जाय ताकि दुर्घटना की संभावना नहीं रहे।

ज्ञातव्य हो कि छठ महापर्व के अवसर पर विधि-व्यवस्था संधारण सहित छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर की जा रही तैयारियों का जिला प्रशासन द्वारा लगातार समीक्षा एवं जायजा लिया जा रहा है। जिलाधिकारी, पश्चिम चम्पारण के निर्देश के आलोक में सभी संबंधित पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के छठ घाटों का लगातार निरीक्षण करते हुए सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ करा रहे हैं ताकि श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।

इस अवसर पर अपर समाहर्त्ता राजीव कुमार सिंह, एसडीएम विनोद कुमार, नगर आयुक्त शम्भू कुमार, एएसडीएम अनिल कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भाकपा ने शहीद सैनिकों, किसानों, मजदूरों एवं फलीस्तीन की दिवंगत जनता को दी श्रद्धांजलि

बेतिया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी पं चम्पारण की ओर से शहीद सैनिकों, किसानों, मजदूरों एवं फलीस्तीन की जनता जो अपना जान गंवा चुकी है को दीपावली के अवसर पर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा इस्राइल फलीस्तीन युद्ध पर विराम लगाने की मांग की गई, अमेरिका अपनी दादागिरी साबित करने के लिए तथा हथियारों को बेचने के लिए इस्राइल फलीस्तीन युद्ध को हवा देकर निर्दोष बच्चों, महिलाओं, नौजवानों को मौत के घाट उतार रहा है, भारत की भाजपा, आर एस एस नीत सरकार अपने गौरवशाली विदेश नीति का परित्याग कर अमेरिका का पीटू बना हुआ है, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी दुनिया के उन तमाम लोगों के साथ खडी है जो इस्राइल फलीस्तीन युद्ध पर विराम के लिए आवाज बुलंद कर रहे हैं।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी हमेशा युद्ध नहीं बच्चों को दूध चाहिए, युद्ध नहीं नौजवानों को रोजगार चाहिए, युद्ध नहीं गरीबों को मकान चाहिए, युद्ध नहीं भूखों को भोजन चाहिए के नारे के साथ विश्व में शांति का पक्षधर रही है और आज भी इस्राइल फलीस्तीन युद्ध के अंत के लिए आवाज बुलंद कर रही है।

श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों एवं इस्राइल फलीस्तीन युद्ध पर विराम लगाने की मांग करने वालों में भाकपा जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति, जिला किसान नेता राधामोहन यादव, जिला कोषाध्यक्ष बब्लू दूबे, छात्र नेत्री लक्की, महिला नेत्री गायत्री, नौजवान नेता अंजारुल,कैलाश धावन, बेतिया भाकपा नगर निगम सचिव संजय सिंह, कलावती, साफेसर,तारिक, कैलाश पटेल, सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

निर्देश | महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने छठ पर्व को लेकर कही कई बातें

सफाईकर्मियों सुनिश्चित करें गुणवत्तापूर्ण सफाई

बीएनएम@बेतिया

नगर आयुक्त शंभू कुमार के द्वारा पुरानी सफाई एजेंसी 'पाथेय' को एक अवधि विस्तार देने की लिखित मांग को नगर निगम की स्थाई सशक्त समिति की बैठक में सोमवार को सर्व सम्मति से खारिज कर दिया गया।

इसकी जानकारी देते हुए महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने नगर निगम को जारी लूट और भ्रष्टाचार के दलदल से निकालने अपना संकल्प दोहराया है। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व पर और इसके आगे भी नगर निगम के स्थाई और संविदा पर बहाल सफाई कर्मचारी स्थानीय डेलीवेजेज कर्मियों के साथ सभी 46 वार्डों में गुणवत्तापूर्ण साफ सफाई की व्यवस्था को सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने कहा कि आउट सोर्सिंग एजेंसी द्वारा काम से अकारण हटाए गए दर्जनों डेलीवेजेज कर्मियों ने खुद से आवेदन देकर इसकी अपील भी की है।

इसके साथ ही श्रीमती सिकारिया ने बताया कि निविदा द्वारा नई आउट सोर्सिंग एजेंसी का विधिवत चुनाव होने तक सहरसा नगर निगम के तर्ज पर बेतिया नगर निगम में भी स्थाई और संविदा पर बहाल सफाईकर्मियों के साथ डेलीवेजेज के सफाई कर्मियों से नगर निगम के सभी 46 वार्डों साफ सफाई व्यवस्था बनाने का निर्देश नगर आयुक्त को सशक्त समिति के सर्व सहमति से दिया गया है।

उन्होंने कहा कि अपने नगर निगम को करोड़ों की जारी लूट से बचाने की कार्रवाई में मैं अपने नगर निगम के जनता जनार्दन के साथ माननीय पार्षदगण से भी सहयोग करने की अपील कर रही हूं।

महात्मा गांधी एवं कस्तूरबा गांधी ने चंपारण की धरती पर स्थापित किया था विद्यालय

चंपारण सत्याग्रह के समय महात्मा गांधी की सामाजिक जागृति अभियान में कस्तूरबा गांधी एवं चंपारण की महिलाओं की रही अहम भूमिका

बीएनएम@बेतिया

बेतिया स्थित सभागार सत्याग्रह भवन में सबके लिए शिक्षा ,स्वच्छता एवं महात्मा गांधीरपर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्याग्रह के पड़ाव में कस्तूरबा गांधी एवं चंपारण वासियों के साथ सामाजिक जागृति एवं जन जागरण अभियान को नई दिशा प्रदान करने के लिए चंपारण सत्याग्रह के समय दीपावली के एक दिन पूर्व 13 नवंबर 1917 को चंपारण के ढाका प्रखंड के बड़हरवा लखन सेन में प्रथम विद्यालय की स्थापना की। 16 नवंबर 1917 को महात्मा गांधी ने चंपारण के ऐतिहासिक भितिहरवा गांव पहुंचकर ऐतिहासिक भितिहरवा गांव में विद्यालय स्थापित करने की रूपरेखा तैयार की तथा 20 नवंबर 1917 को चंपारण के भितिहरवा गांव में विद्यालय स्थापित कर दिया गया ।साथ ही कक्षा का भी आरंभ हुआ।

कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी एवं चंपारण की महिलाओं ने अतुल योगदान दिया । महात्मा गांधी एवं कस्तूरबा गांधी ने चंपारण की धरती पर स्कूल खोलने का उद्देश्य यह रहा कि लोगों में कैसे राष्ट्रीय सद्भावना स्वच्छता स्वास्थ्य बाल विवाह उन्मूलन एवं विभिन्न सामाजिक कुरीतियों से मुक्त के लिए आम जनमानस में जागृति लाया जाए।

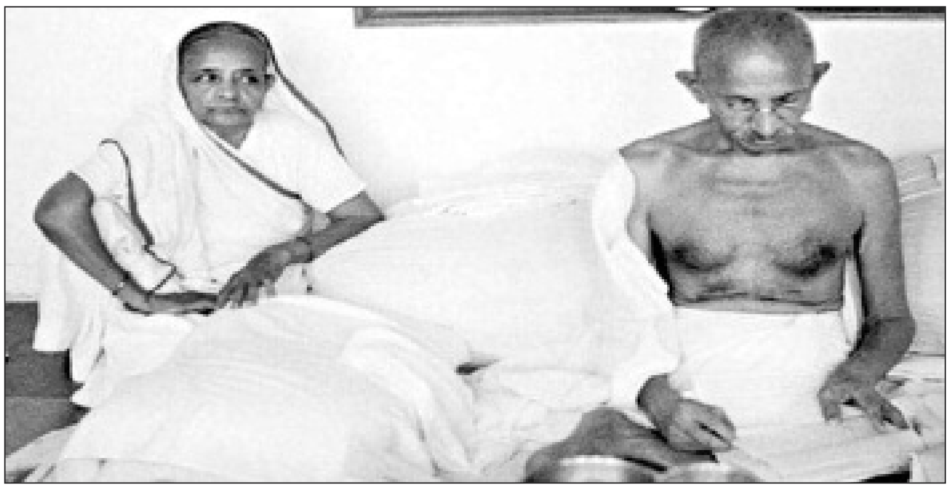

महात्मा गांधी ने किसानों एवं चंपारण वासियोंकी दुर्दशा के बारे में सुनकर चंपारण पहुंचे थे। चंपारण सत्याग्रह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए मील का पत्थर साबित हुआ ।देखते ही देखते लगभग 30 वर्षों के भीतर ही भारत 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हो गया।

67वीं बीपीएससी की परीक्षा में शिवम कुमार ने प्राप्त किया 415वीं रैंक

बगहा। बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 67वीं परीक्षा में बगहा का बेटा शिवम कुमार ने सफलता हॉंसिल कर सब डिवीजन वेलफेयर ऑफिसर (बीसी/ईबीसी डिपार्टमेंट) बनकर इलाके का नाम रौशन किया है। शिवम्‌कुमार को यह सफलता प्रथम प्रयास में मिली है। शिवम्‌ कुमार ने 67वीं बीपीएससी की परीक्षा में 415 रैंक प्राप्त किया है।

उन्होंने सफलता का श्रेय कठिन परिश्रम और माता-पिता और गुरुजनों को दिया है। बगहा नगर परिषद्‌ के राधेश्याम मंदिर चौक,वार्ड 23 के शिवम कुमार के पिता ईश्वर चंद्र प्रसाद वर्षों से पारस प्लेस मुहर का दुकान चलाते आ रहे हैं और माता चंदा देवी गृहणी हैं। शिवम्‌दो भाई में छोटे हैं और बड़े भाई मन्यु कुमार 2013 से सीआईएसएफ में सब इंस्पेक्टर पद रहते हुए श्रीनगर एयरपोर्ट पर ड्यूटी कर रहे हैं।

शिवम कुमार ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मेरी गोल्ड एकेडमी कालीस्थान, बगहा 1 से प्राप्त की और मैट्रिक की पढ़ाई डी एम एकेडमी बगहा 1 और इंटर बीबीएन कॉलेज अवसानी बगहा 2 से की, उसके बाद डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद(अयोध्या) से कृषि विज्ञान से स्नातक की डिग्री प्राप्त की।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर शिक्षकों को किया गया सम्मानित

मोतिहारी। भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के जन्मदिवस पर पूर्वी चम्पारण जिले के दो दर्जन शिक्षकों को जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार के द्वारा सम्मानित किया गया। पूर्वी चम्पारण जिले के जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार के द्वारा जनवरी 2023 से लगातार शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा है और आगे भी जारी रहेगा। इस मौके पर पर्यावरण, स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मदनाकर कुमार को जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र व पुष्प देकर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गयीं।

इस मौके पर रत्ना कुमारी, वंदना कुमारी, अर्चना रानी, निशि प्रियदर्शी, प्रमिला कुमारी, कमलेन्द्र कुमार, रंजीत यादव, रविशंकर गुप्ता, चंदन शर्मा, सुरेन्द्र दास, अमर कुमार, नवल किशोर प्रसाद आदि शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार के द्वारा शैक्षणिक कोषांग का गठन अक्टूबर 2021 से लगातार जारी हैं जिसके अंतर्गत चेतना सत्र के लिए विशेष रूप से शैक्षणिक वातावरण को प्रभावी बनाने के लिए शैक्षणिक सामग्री व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से जिले के प्रायः सभी शिक्षकों तक पहुँचती है। इस सामग्री में 3 से 4 बजे के लिए शैक्षणिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए रेमेडियल सामग्री भी डाली जाती हैं जिसकी प्रशंसा बिहार के शिक्षा मंत्री डॉ0 चन्द्रशेखर भी कर चुके हैं। शिक्षा मंत्री ने इस चेतना सत्र वाले शुरुआत को सभी जिलों में लागू करने की बात भी कहीं। इतना ही नहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद प्रतिदिन शिक्षकों के नाम संदेश सोशल मीडिया के माध्यम से शिक्षकों तक पहुँचाने का कार्य लगातार करते रहें हैं। इस मौके पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी माध्यमिक शिक्षा नित्यम गौरव, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा हेमचन्द , जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना साहेब आलम, शैक्षणिक कोषांग के धर्मेन्द्र कुमार, मृत्युंजय कुमार आदि मौजूद थे।

बेतिया मे हत्या कर लाश को जलाया

बीएनएम@बेतिया

नौकरी के लिए पैसा देने से इनकार करने पर चनपटिया के लगुनाहा पोखरा टोला में मनीषा देवी की उसके ससुराल वालों ने हत्या कर लाश को जला दिया है।

घटना दीपावली के दिन की है। इस बाबत मनीषा के पिता कुमारबाग ओपी के जबदौल ओझाटोला निवासी रिखदेव राम ने चनपटिया थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में मृतका मनीषा के पति अखिलेश राम (32), सास सुगी देवी (43), ससुर योगेंद्र राम (48), देवर नीरज राम (27), जितेन्द्र राम (25) को आरोपित किया गया है। इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि मृतका के ससुर को हिरासत में ले लिया गया है, जबकि अन्य आरोपी घर छोड़कर फरार हो गए हैं।

रिखदेव राम ने बताया है कि वर्ष 2016 में उन्होंने अपनी पुत्री मनीषा की शादी लगुनाहा पोखरा टोला निवासी अखिलेश राम से की थी। दो वर्ष पहले विदेश में नौकरी करने के लिए अखिलेश व ससुरालवालों ने उनसे दो लाख रुपए की मांग की। जैसे-तैसे उन्होंने एक लाख रुपए की व्यवस्था कर दामाद को दे दी। उसके बाद अखिलेश विदेश चला गया। ईधर एक माह पूर्व वह विदेश से घर लौटा था। घर आने पर वह चार माह से मायके में रह रही मनीषा को आठ दिन पूर्व अपने साथ बुलाकर ले आया।

मनीषा की विदाई के बाद वह फिर अपने ससुर से विदेश में दूसरे कंपनी में नौकरी करने के नाम पर चालीस हजार रुपए की मांग करने लगा। रुपया देने में असमर्थता व्यक्त करने पर अखिलेश व उसके घर के लोगों ने दीपावली के दिन ही उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद उन्होंने पड़ोसी जिउत राम के साथ मिलकर साक्ष्य छिपाने की नियत से अपने ही गन्ना के खेत में जला दिया। सूचना मिलने पर चनपटिया थानाध्यक्ष मनीष कुमार, एसआई श्यामली कमल दलबल के साथ जब वहां पहुंचे तब तक शव जल चुका था।

वीरगंज के वैष्णो देवी मंदिर में एक साथ 11 हजार दीप किये गये प्रज्वलित

मोतिहारी। जिले से सटे नेपाल के बीरगंज शहर के बाईपास स्थित वैष्णो देवी मंदिर परिसर में हिंदुओं का महापर्व दीपावली के अवसर पर एक साथ 11 हजार दीप प्रज्वलित किये गये। उक्त दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हिंदू स्वयं सेवक संघ के द्वारा लक्ष्मी पूजा पर किया गया। संघ के आह्वान पर बीरगंज महानगरवासियों के सहभागिता से बीती रात 8 बजे एक साथ इतने दीपों को प्रज्वलित किया गया। जिससे पूरा वैष्णोदेवी मंदिर परिसर रौशनी से जगमगा उठा। इस मौके पर जुटे हजारों लोगों के माता लक्ष्मी व वैष्णो माता के जयकारो से पूरा वातावरण गूंजायमान होता रहा।

BORDER NEWS MIRROR

Editorial

Tuesday 14 November 2023

प्रभु राम की अयोध्या और उत्सवधर्मिता

भारतीय जनमानस उत्सवधर्मी है। यहां के उत्सवों में प्रकृति के अनुरुप विविध रंग व उमंग है। उल्लास के साथ पर्वो की मनाने की सुदीर्घ परंपरा है। युगों-युगों से यह प्रवाह अविरल है। इनके साथ किसी न किसी रुप में देवों के नाम भी जुड़े हुए है। इनसे आध्यात्मिक चेतना का भी बोध होता है। दीपावली के साथ अयोध्या धाम और प्रभु श्रीराम का नाम जुड़ा है। होली की कल्पना मात्र से गोकुल और प्रभु श्रीकृष्ण का स्मरण हो जाता है। अयोध्या की दीपावली और बरसाने और काशी की होली विश्व प्रसिद्ध है। यह सभी स्थल वर्तमान उत्तर प्रदेश में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन अवसरों को विश्वस्तर पर प्रतिष्ठित कराया है। इसको देखने व सहभागी होने के लिए विदेशी पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अयोध्या, मथुरा व काशी के विकास की दृष्टि से पिछले कुछ वर्ष विशेष रुप से महत्वपूर्ण रहे हैं। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण प्रगति पर है। भव्य श्रीकाशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण हो चुका है। मथुरा में ब्रज विकास परिषद के माध्यम से व्यापक कार्य सम्पादित हो रहे हैं। वर्तमान सरकार ने अयोध्या, काशी, मथुरा को तीर्थटन की दृष्टि से विश्व स्तरीय बनाने का प्रयास किया है। अयोध्या में दीपोत्सव का विश्व रिकार्ड कायम हुआ। देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोग इसमें सहभागी बने। प्रभु राम के वनगमन के बाद अयोध्या में चौदह वर्षो तक उदासी का माहौल था। प्रभु राम के वापस लौटने पर यहां के लोगों ने दीपोत्सव मनाया था। इसी के साथ उत्साह रुपी प्रकाश का संचार हुआ था। उदासी का अंधकार तिरोहित हो गया था। भारतीय दर्शन में इसकी कामना भी की गई-असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय।। इस स्थान पर बहुत बाद में कभी श्रीराम-जानकी का मंदिर बना होगा। पूजा अर्चना की गूंज से आध्यात्मिक चेतना का वातावरण रहा होगा। लेकिन विदेशी आक्रांता बाबर ने इस मंदिर का विध्वंस कराया।

गायों की पूजा का पर्व है गोवर्धन

रमेश सर्राफ धमोरा

गोवर्धन पूजा हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। लोग इसे अन्नकूट के नाम से भी जानते हैं। इस पर्व की अपनी मान्यता और लोककथा है। इस त्योहार का भारतीय लोकजीवन में काफी महत्व है। इस पर्व में प्रकृति के साथ मानव का सीधा सम्बन्ध दिखाई देता है। भगवान श्रीकृष्ण ने आज ही के दिन इन्द्र का मानमर्दन कर गिरिराज पूजन किया था। कबीर दास जी कहते है: कबीर गोवर्धन कृष्ण जी उठाया, द्रोणागिरि हनुमंत। शेष नाग सब सृष्टी उठाई, इनमें को भगवंत।। इस दिन मन्दिरों में अन्नकूट किया जाता है। अन्नकूट एक प्रकार से सामूहिक प्रसादी भोज का आयोजन है जिसमें पूरा परिवार एक जगह बनाई गई रसोई से भोजन करता है। इस दिन चावल, बाजरा, कढ़ी, साबुत मूंग सभी सब्जियां एक जगह मिलाकर बनाई जाती हैं। मंदिरों में भी अन्नकूट बनाकर प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। सायंकाल गोबर के गोवर्धन बनाकर पूजा की जाती है। गोवर्धन पूजा में गोधन यानी गायों की पूजा की जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि गाय उसी प्रकार पवित्र होती जैसे नदियों में गंगा। गाय को देवी लक्ष्मी का स्वरुप भी कहा गया है। देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख-समृद्धि प्रदान करती हैं, उसी प्रकार गो माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रुपी धन प्रदान करती हैं। इनका बछड़ा खेतों में हल जोतकर अनाज उगाता है। इस तरह गो सम्पूर्ण मानव जाती के लिए पूजनीय और आदरणीय है। गो के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए ही कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन गोर्वधन की पूजा की जाती है और इसके प्रतीक के रुप में गाय की। दीपावली के दूसरे दिन सायंकाल गोवर्धन पूजा का विशेष आयोजन होता है।इस दिन प्रातः गाय के गोबर से लेटे हुए पुरुष के रुप में गोवर्धन बनाया जाता है। अनेक स्थानों पर इसके मनुष्याकार बनाकर पुष्पों, लताओं आदि से सजाया जाता है। इनकी नाभि के स्थान पर एक कटोरी या मिट्टी का दीपक रख दिया जाता है। फिर इसमें दूध, दही, गंगाजल, शहद, बताशे आदि पूजा करते समय डाल दिए जाते हैं और बाद में इसे प्रसाद के रुप में बांट देते हैं। शाम को गोवर्धन की पूजा की जाती है। पूजा में धूप, दीप, नैवेद्य, जल, फल, फूल, खील, बताशे आदि का प्रयोग किया जाता है। पूजा के बाद गोवर्धनजी की जय बोलते हुए उनकी सात परिक्रमा लगाई जाती है। परिक्रमा के समय एक व्यक्ति हाथ में जल का लोटा व अन्य जौ लेकर चलते हैं। जल के लोटे वाला व्यक्ति पानी की धारा गिराता हुआ तथा अन्य जौ बोते हुए परिक्रमा पूरी करते हैं। अन्नकूट में चंद्र-दर्शन अशुभ माना जाता है। यदि प्रतिपदा में द्वितीया हो तो अन्नकूट पर्व अमावस्या को मनाया जाता है। इस दिन सन्ध्या के समय दैत्यराज बलि का पूजन भी किया जाता है। गोवर्धन गिरि भगवान के रुप में माने जाते हैं और इस दिन उनकी पूजा अपने घर में करने से धन, धान्य, संतान और गोरस की वृद्धि होती है। आज का दिन तीन उत्सवों का संगम होता है। इस दिन दस्तकार और कल-कारखानों में कार्य करने वाले कारीगर भगवान विश्वकर्मा की पूजा भी करते हैं। इस दिन सभी कल-कारखाने तो पूर्णतः बंद रहते हैं। घर पर कुटीर उद्योग चलाने वाले कारीगर भी काम नहीं करते। भगवान विश्वकर्मा और मशीनों का दोपहर के समय पूजन किया जाता है। महाराष्ट्र में यह दिन बलि प्रतिपदा या बलि पड़वा के रुप में मनाया जाता है। भगवान विष्णु के एक अवतार वामन की राजा बलि पर विजय और बाद में राजा बलि को पाताल लोक भेजने के कारण इस दिन उनका पुण्य स्मरण किया जाता है। माना जाता है कि भगवान वामन द्वारा दिए गए वरदान के कारण असुर राजा बलि इस दिन पातल लोक से पृथ्वी लोक आता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's Opinion

अहंकार का नाश करती है गोवर्धन पूजा

योगेश कुमार गोयल

पांच दिवसीय दीपावाली पर्व की शुरुआत धनतेरस से होती है और चौथे दिन कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा की जाती है लेकिन इस वर्ष गोवर्धन पूजा की तिथि को लेकर लोगों में भ्रम की स्थिति है। दरअसल इस बार कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 13 नवंबर को दोपहर 2 बजकर 56 मिनट से हो रही है और समापन 14 नवंबर को दोपहर 2 बजकर 36 मिनट पर होगा। चूंकि हिन्दू धर्म में उदया तिथि को विशेष महत्व दिया जाता है, इसीलिए द्रिक पंचांग के अनुसार गोवर्धन पूजा का पर्व 14 नवंबर को मनाया जाएगा। हालांकि कुछ ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 13 नवंबर को भी गोवर्धन पूजा की जा सकती है लेकिन 14 नवंबर को गोवर्धन पूजा करने का शुभ मुहूर्त प्रातः 6:43 से प्रारंभ होकर 8.52 तक सर्वोत्तम है। 14 नवंबर दो बजे के बाद भाई दूज की तिथि शुरु होगी। कार्तिक मास की शुक्ल प्रतिपदा को मनाए जाने वाले इस पर्व को 'अन्नकूट पर्व' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन घर में गाय के गोबर से गोवर्धन की मानव रुपी आकृति बनाकर उसकी पूजा की जाती है तथा तरह-तरह के व्यंजन बनाकर गोवर्धन को भोग लगाया जाता है। इन व्यंजनों को 'छप्पन भोग' की संज्ञा दी जाती है। अन्नकूट पर्व के दिन गोपूजा का भी विशेष महत्व है। इसी कारण इस दिन बहुत से लोग गाय, बैल तथा अन्य पशुओं की सेवा करते हैं और गायों की आरती भी उतारी जाती है। इस दिन शाम के समय गोवर्धन पूजन के समय भगवान विष्णु, भगवान श्रीकृष्ण के साथ-साथ दैत्यराज महाप्रतापी एवं महादानवीर बलि का भी पूजन किया जाता है। माना जाता है कि इस पर्व का प्रचलन द्वापर युग से शुरु हुआ था और तभी से हर वर्ष कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को यह पर्व मनाया जाता रहा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने देवराज इन्द्र के अहंकार को चूर-चूर कर गोकुलवासियों को गोधन के महत्व से परिचित कराया था। इस दिन गोबर से गोवर्धन बनाकर उसकी पूजा की जाती है। वेदों में इस दिन वरुण, इन्द्र और अग्निदेव के पूजन का भी विधान है। पुराणों में बताया गया है कि इस दिन भगवान विष्णु ने लक्ष्मी सहित समस्त देवी-देवताओं को बलि की कैद से मुक्त कराया था। इस पर्व के संबंध में द्वापर युग की एक कथा प्रचलित है। एक बार भगवान श्रीकृष्ण अपने बाल सखाओं के साथ गायों को चराते हुए गोवर्धन पर्वत की तराई में पहुंच गए। वहां उन्होंने देखा कि हजारों गोप-गोपियां बड़े उत्साह से नाच-गाकर कोई उत्सव मना रहे हैं और 56 प्रकार के व्यंजन वहां रखे हैं। श्रीकृष्ण के पूछने पर गोपियों ने बताया कि आज के दिन वृत्रासुर नामक राक्षस का वध करने वाले मेघों व देवों के राजा इन्द्र का पूजन किया जाता है क्योंकि उनकी कृपा से ही ब्रज में वर्षा होती है और अन्न पैदा होता है। यह सुनकर श्रीकृष्ण ने वहां उपस्थित समस्त ब्रजवासियों से कहा कि अगर देवराज इन्द्र स्वयं यहां आकर भोग लगाएं, तभी तुम्हें यह उत्सव मनाना चाहिए। ब्रजवासी श्रीकृष्ण की बात से सहमत नहीं हुए। गोपियों ने श्रीकृष्ण से कहा, 'अगर इन्द्र को प्रसन्न करने के लिए 'इन्द्रोज' नामक यह यज्ञ नहीं किया गया तो समस्त ब्रजवासियों को इन्द्र के कोप का सामना करना होगा और समूचा ब्रज अकाल या बाढ़ की चपेट में आ जाएगा। इसलिए हमें यह यज्ञ हर हाल में करना ही चाहिए।' इस पर श्रीकृष्ण ने कहा, 'इन्द्र में क्या शक्ति है? उससे ज्यादा शक्तिशाली तो हमारा यह गोवर्धन पर्वत है और ब्रज में इसी के कारण वर्षा होती है। इसलिए हमें इन्द्रोज यज्ञ करने के बजाय गोवर्धन की पूजा करनी चाहिए।' काफी वाद-विवाद के पश्चात् ब्रजवासी इन्द्र के बजाय गोवर्धन की पूजा करने के लिए तैयार हो गए। सभी अपने घरों से पकवान लाकर श्रीकृष्ण द्वारा बताई विधि के अनुसार गोवर्धन का पूजन करने लगे। श्रीकृष्ण ने तब गोवर्धन पर्वत में अपना दिव्य रुप प्रविष्ट कराकर स्वयं गोवर्धन के रुप में समस्त व्यंजनों का भोग लगाया और ब्रजवासियों को आशीर्वाद दिया। ब्रजवासी गोवर्धन को प्रसन्न करने के लिए किए गए अपने यज्ञ को सफल मानकर बड़े प्रसन्न हुए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

तम्बाकू खाने वालों का जीवन ही खा जाता है तम्बाकू

डॉ मनोज कुमार तिवारी

वरिष्ठ परामर्शदाता

ए आर टी सेंटर, एसएस हॉस्पिटल, आई एम एस, बी एच यू, वाराणसी

तंबाकू के दुष्प्रभाव के प्रति लोगों को जागरूक करने के प्रयासों को वढावा देने के लिए हर वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस का नारा (थीम) है- हमें भोजन की आवश्यकता है, तंबाकू की नहीं, दुनिया भर में सालाना 35 लाख हेक्टेयर भूमि का उपयोग तंबाकू की खेती के लिए किया जाता है। तंबाकू की खेती के लिए वार्षिक वनों की कटाई का अनुमान लगभग 2 लाख हेक्टेयर है। तंबाकू की खेती के से जमीन की उपजाऊ शक्ति कम होती है तथा मरुस्थलीकरण का खतरा अधिक होता है। जिससे भविष्य में पूरे विश्व में खाद्यान्न की भारी कमी होने की संभावना है। तंबाकू के सेवन से वातावरण में अनेक हानिकारक पदार्थ पैदा होते हैं।

तंबाकू के निर्माण, पैकेजिंग एवं परिवहन से भी पर्यावरण में अनेक प्रकार के प्रदूषण बढ़ते हैं। तंबाकू के कारण हजारों टन जहरीले पदार्थ व ग्रीन हाउस गैसेस पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहीं हैं। तंबाकू की खेती कृषि योग्य भूमि के पोषक तत्वों को हानि पहुंचाती हैं। तंबाकू निर्माण से रासायनिक कचरा पैदा होता है जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान होता है।

भारत में पर्यावरण मंत्रालय तंबाकू उद्योग को अत्यधिक प्रदूषण कारी उद्योग का दर्जा देता है तो वही बीड़ी उद्योग को कुटीर उद्योग का दर्जा प्राप्त है। तंबाकू निर्माण इकाईयों से पानी दूषित होता है। सेंट्रल टोबैको रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीटीआरआई) के अनुसार आधा हेक्टेयर तंबाकू की फसल ठीक करने के लिए 1 हेक्टेयर जंगल की लकड़ी की आवश्यकता होती है। सीटीआरआई के अनुसार तंबाकू का उत्पादन करीब 3 हजार लाख किलोग्राम है, एक किलोग्राम तंबाकू के उपयोग लायक बनाने के लिए 8 किलोग्राम लकड़ी की आवश्यकता होती है।

एक अनुमान के अनुसार हर वर्ष 24 हजार लाख किलोग्राम लकड़ी तंबाकू ठीक करने हेतु जलती है। 3 सौ सिगरेट तैयार करने के लिए एक पेड़ काटा जाता है। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा तंबाकू उत्पादक देश है यहां का वार्षिक उत्पादन 757.5 हजार मीट्रिक टन है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू छोड़ने का निश्चय करने वालों में से केवल 30% लोग ही तंबाकू छोड़ने के उपाय को अपनाने में सफल होते है। एक अनुमान के अनुसार पूरी दुनिया में प्रति 6 सेकंड पर एक व्यक्ति की मौत का कारण तंबाकू होता है। भारत में तंबाकू सेवन करने वालों की संख्या लगभग 27 करोड़ है। ग्लोबल एडल्ट तंबाकू सर्वेक्षण (2016-17) के अनुसार भारत में 42.47% पुरुष तथा 12.24% महिलाएं तंबाकू का प्रयोग करते हैं।

सेकंड हैंड स्मोकिंग जिसमें व्यक्ति स्वयं धूम्रपान नहीं करता किंतु उसके आसपास के

लोगों द्वारा धूम्रपान करने के कारण श्वांस के माध्यम से वे धूम्र ग्रहण करते हैं। सिगरेट व बीड़ी पीने वाले जो धुआं छोड़ते हैं उसमें सामान्य हवा की अपेक्षा 3 गुना ज्यादा निकोटीन, 3 गुना टार एवं 50 गुना अमोनिया होता है।

बच्चों में सेकंड हैंड स्मोकिंग के कारण दिल का दौरा पड़ने या स्ट्रोक का खतरा बहुत अधिक रहता है। इससे महिलाओं में बांझपन का भी खतरा बढ़ जाता है। एक अनुमान के अनुसार भारत में 50% लोग सेकंड हैंड स्मोकिंग के शिकार होते हैं।

तंबाकू का दुष्प्रभाव:

गुर्दे की बीमारी
नेत्र रोग
सांस की समस्याएं
दांतों की समस्या
आंतों में सूजन
त्वचा रोग
कैंसर
उच्च रक्तचाप
दमा

तम्बाकू के जोखिम कारक:

माता-पिता या परिवार के सदस्यों द्वारा तंबाकू का सेवन करना।
पालन-पोषण का अनुचित ढंग
रोल मॉडल के द्वारा तंबाकू का सेवन।
अभिभावकों व शिक्षकों द्वारा बच्चों के प्रति तिरस्कार पूर्ण व्यवहार।
भावनात्मक स्थिरता की कमी।
समायोजन क्षमता की कमी।
मानसिक विकार
पहचान बनाने की त्रुटिपूर्ण अवधारणा
समायोजन की क्षमता में कमी
जागरूकता की कमी
शिक्षा की कमी
सामाजिक सांस्कृतिक प्रथाएं
प्रचार माध्यम
तंबाकू का सर्व सुलभ होना

तंबाकू छोड़ने के उपाय:

सबसे पहले व्यक्ति छोड़ने का पक्का इरादा बनाएं।
अचानक से बंद न करके धीरे-धीरे तंबाकू की मात्रा में कमी करें।
तंबाकू छोड़ने में परिवार और मित्रों का सहयोग ले।
ऐसे लोगों से संपर्क न रखें जो तंबाकू का सेवन करते हैं।
तंबाकू की तलब महसूस होने पर मुंह में पिसी हुई काली मिर्च, लौंग, छोटी इलाची, टॉफी, च्यूइंगम का प्रयोग करें।
अपने पास में तंबाकू कदापि न रखें।
गुनगुने पानी में नींबू का रस व शहद मिलाकर पीने से इसके तलब में कमी आती है
तंबाकू से होने वाली हॉनियों की सूची अपने कमरे में लगाएं।

तंबाकू निषेध से पर्यावरण को लाभ:-

जंगलों का कटान रुकेगा
वायु प्रदूषण कम होगा
जल प्रदूषण कम होने से जल जीवों की रक्षा के साथ- साथ पीने योग्य पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।
कृषि योग्य भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहेगी।
तंबाकू के कचरे से मुक्ति
लोग तंबाकू के कारण होने वाले बीमारियों से बचे रहेंगे

उपचार:

व्यावहारिक मनोचिकित्सा
मनोवैज्ञानिक शिक्षा
अरुचि चिकित्सा
सामाजिक समर्थन
निकोटीन प्रतिस्थापना उपचार

व्यक्ति दृढ़ इच्छाशक्ति, परिवार, मित्रों के सहयोग एवं समर्थन तथा मनोवैज्ञानिकों के उचित परामर्श एवं मनोचिकित्सा तथा आवश्यक होने पर चिकित्सक द्वारा प्रदत्त दवाई लेकर तंबाकू की लत पर आसानी से विजय प्राप्त कर सकता है। आए हम सब विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर यह संकल्प लें की न तंबाकू का सेवन करेंगे और न दूसरों को करने देंगे ताकि हमारी अगली पीढ़ी को खाद्यान्न संकट का सामना न करना पडे।

सरस्वती धानेश्वर,
भिलाई, छत्तीसगढ़

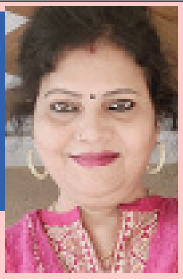

कब आओगे अबकी बार

ठहर जातें हैं अक्सर कदम
उन गलियों में जाकर,
घूम जाती हैं यादें
पदचिन्ह बनकर,
कई हवाओं के झोंके,
स्पर्श कर जाते हैं मेरी रूह को,
वो सूनी पड़ी राहें मांगती हैं
कई गुजरे दिनों का हिसाब !
बिखरी यादों के इर्द-गिर्द कई
विस्तृत छोर अपार ! कैसे खोजूं ?
कहां मिलेंगे ?
पुनः लौटकर बीते वो पल
चिन्ह बारम्बार !
यूंही अक्सर मेरे जेहन में,
आहिस्ता से उभरता है एक ख्याल,
काश कि मैं छू पाती
उन बीते लम्हों के तसव्वुर को,
जो हमेशा के लिए ठहर से गए हैं
मेरी चेतना के प्रांगण में बनकर खुशबू,
अंतहीन आकंठ, बेशुमार !
ढलती शाम की सुहानी डगर,
गुनगुनाहट से वो सुरम्य पल,
लयबद्ध ख़ामोश सी,
मद्धिम सुरों की वो झंकार।
मूक खड़े हैं मोड़ सभी,
ठहरे नैनों की पुकार,
पूछ रहें हैं पलचिन्ह मुझसे
कब आओगे अबकी बार !

लघुकथा: शर्मसार

वैदेही कोठारी स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखिका

दूल्हा-दुल्हन ने भारतीय परिधान धारण किये हुए, शादी में सम्मिलित लोग पारम्परिक भारतीय वेशभूषा में ही थे..,रेनाल्ड ने टोनी जिया को अपने पेरेंट्स से मिलवाया, रेनाल्ड की माँ बोली (इंग्लिश)- आपने इंडियन ट्रेडिशनल कपड़े नहीं पहने! हम भारतीय रीति रिवाज़, वैदिक मंत्रो से शादी करने वाले है। यह सुन, टोनी और जिया एक दूसरे का मुंह देखने लगे, मानो उन पर घड़ो पानी पड़ गया हो -शर्मसार हो गए ।

जिया पाश्चात्य रंग में रंगी हुई एक बिगड़ैल लड़की थी। पिता भी उसके पहनावे और व्यवहार को गलत नहीं कहते। किन्तु माँ जरूर हमेशा आपत्ति जताती रहती। लेकिन माँ की सुनता कौन ? घर में माँ पूजा पाठ करती तो वह प्रसाद भी नहीं खाती, क्या मॉम कब तक पुरानी रीति रिवाज़ पूजा पाठ में लगी रहोगी। मुझे पसंद नहीं प्रसाद, मुंह बना कर चली जाती !

माँ जिया को समझाने जाती, पिता तुरंत माँ को चुप करा करा देते।

जिया तैयार होकर माँ से बोली मैं दोस्तों के साथ नाईट पार्टी में जा रही हूँ, माँ उसे देख बोली..., है राम ! इतने छोटे कपड़े..,कुछ तो शर्म करो।

जिया चिढ़ कर बोली !, तुम क्या जानो फैशन ! मुझे तुम्हारे जैसा गँवार नहीं दिखना ! मुंह बना कर चली गई।

जिया के लिए कई लड़को के रिश्ते आए, किन्तु जिया सभी को मना कर देती। मुझे किसी मॉर्डन लड़के से शादी करनी है, न कि किसी रूढ़िवादी से जिया का हर लड़के को मना करते देख,आखिर में पिता ने पूछा - तुम्हें कोई लड़का पसंद हो तो बताओ।

हाँ - पापा,

मेरे साथ ही ऑफिस में काम करता है,टोनी

पिता - लेकर आ ओ घर

अगले दिन जिया टोनी को लेकर घर आ गई, रंग गोरा, कसा हुआ डील डोल,गले में मोटी चेन, टाइट टीशर्ट हांथो पर टेटू गुदे हुए,जींस हिल शूज पहने, टोनी हाँथ आगे बढ़ाते हुए बोला - हेलो सर

पिता- हेलो ! अंदर आओ..., ।

दोनों परिवारों ने मिल कर विवाह तय कर दिया, किन्तु जिया वैदिक तरीके से विवाह नहीं करना चाहती, वह दोनों तो कोर्ट मैरिज करना चाहते है।

दोनों के पेरेंट्स भी बच्चों की मर्जी में ही...राजी हो गए।

टोनी को अमेरिका की एक कंपनी से नौकरी का ऑफर आया। वह जल्द ही अमेरिका शिफ्ट हो गए..।

कंपनी में टोनी का सहकर्मी रेनाल्ड ने अपनी विवाह पत्रिका टोनी को भी दी।

टोनी ने पत्रिका जिया को बताई, वह फूली नहीं समाई ख़ुश होकर बोली.., वाओ हम यहाँ शादी में शामिल होंगे, यह कहते हुए वह टोनी के गले लग गई, जिया सोचने लगी, कि क्या पहने शादी में..?

यहाँ तो सभी छोटे कपड़े ही पहनते है, शादी वाले दिन उसने भी छोटा सा तंग मिनी स्कर्ट, बड़े गले वाला चमकीला ब्लाउस, ऊँचे सेंडिल, खुले बाल, चेहरे पर डार्क मैकअप कर, शादी में जाने के लिए तैयार हो गई।

वह शादी वाली जगह पहुंचे तो देखतें ही रह गए..!,

वहाँ की सजावट बिलकुल भारतीय संस्कृति को दर्शा रही थी। गेट पर कलश नुमा डिज़ाइन बनी,उस पर फूलों की माला, अंदर पहुंचे तो फेरे वाली जगह पर रंगोली बनी हुई...,हवन और वैदिक विवाह की तैयारी चल रही थी।

दूल्हा-दुल्हन ने भारतीय परिधान धारण किये हुए, शादी में सम्मिलित लोग पारम्परिक भारतीय वेशभूषा में ही थे..,रेनाल्ड ने टोनी जिया को अपने पेरेंट्स से मिलवाया, रेनाल्ड की माँ बोली (इंग्लिश)- आपने इंडियन ट्रेडिशनल कपड़े नहीं पहने ! हम भारतीय रीति रिवाज़, वैदिक मंत्रो से शादी करने वाले है।

यह सुन, टोनी और जिया एक दूसरे का मुंह देखने लगे, मानो उन पर घड़ो पानी पड़ गया हो -शर्मसार हो गए।

48 राजस्व कॉलोनी रतलाम
(मध्य प्रदेश)

चेतना प्रकाश
चितेरी, प्रयागराज,
उत्तर प्रदेश

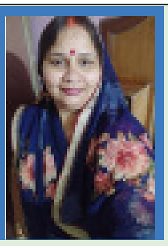

घर है तुम्हारा

सँभाल लो ! घर सँवार लो
घर है तुम्हारा।

बड़े नाजुक होते हैं दिल के रिश्ते,
तुम इन्हें निभा लो !
धीरे - धीरे बंद मुट्ठी में
रेत की तरह फिसल जाएगा,
मन में प्रायश्चित के सिवा
कुछ भी नहीं बचेगा,
अपनों से कैसा शिकवा ?

तुम्हारा है परिवार,
तुम इसे बेगाना न समझो !

एक दूसरे से प्रेम कर लो !
चार दिन की है जिंदगानी ,
खाली हाथ आए हैं खाली है जाना
सब कुछ धरा पर रह जाएगा,

सामंजस्य बिठा लो !
मायके से ज्यादा ससुराल है प्यारा,
अपना के देखो तुम एक बार,
प्रेम करते हैं सभी तुमसे,
थोड़ा मान -सम्मान इन्हें देकर देखो,
मोम की तरह हृदय है इनका,
तुम इनकी भावनाओं से खेलना छोड़ो !

सँभाल लो ! सँवार लो, घर है तुम्हारा।

टाइफाइड में नहाना चाहिए या नहीं?

गर्म या ठंडा पानी किससे नहायें

आज हम बात करेंगे टाइफाइड में नहाना चाहिए या नहीं क्योंकि टाइफाइड के समय मरीज को अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतना बेहद जरूरी होता है. ऐसे में अगर टाइफाइड के समय मरीज के स्वास्थ्य के प्रति सावधानी नहीं बरती गई तो मरीज की हालत और भी बिगड़ सकती है जिसकी वजह से उसकी जान भी जा सकती है.

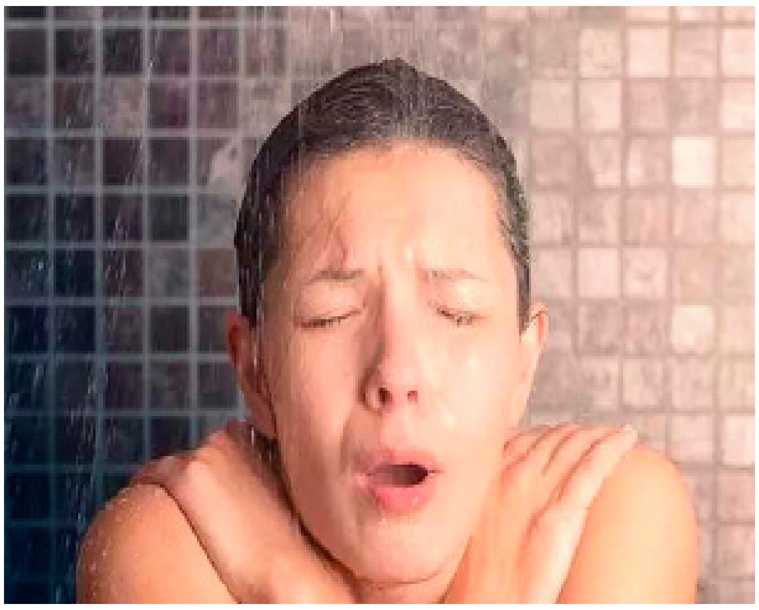

ऐसे में डॉ अलका यादव का कहना है टाइफाइड बुखार दूषित पानी से नहाने दूषित पानी पीने और इससे बने भोजन को करने से होता है इसीलिए हमें यह जानकारी होनी चाहिए कि टाइफाइड में नहाना चाहिए या नहीं। आप टाइफाइड बुखार में सामान्य ताप के पानी से नहा सकते हैं इससे आप को कोई खास नुकसान नहीं होगा .

टाइफाइड में गर्म पानी से क्यों नहाना चाहिए?

डॉ अलका का कहना है कि टाइफाइड बुखार दूषित पानी पीने और दूषित पानी से बनने वाले भोजन को करने से होता है।

ऐसे में अगर आप उसी पानी से नहाएंगे तो आपकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ सकती है ऐसे में आपको नहाने के लिए पानी को गर्म करना आवश्यक बताया गया है क्योंकि पानी को गर्म करने से वह कीटाणु रहित हो जाता है जिसकी वजह से वह पानी पूरी तरह से शुद्ध माना जाता है।

इसीलिए टाइफाइड बुखार में गर्म पानी से नहाना बेहतर माना गया है। गर्म पानी से नहाने के साथ-साथ आपको टाइफाइड के समय गर्म पानी का सेवन पीने में भी करना चाहिए.

क्योंकि टाइफाइड में गर्म पानी पीने से शरीर से हानिकारक पदार्थ बाहर निकल जाते हैं इसीलिए आपको सुबह खाली पेट गर्म पानी और शाम को खाना खाने के बाद गर्म पानी का सेवन करना चाहिए इससे पाचन संबंधी समस्या भी ठीक हो जाती है

सेहत के लिए नुकसानदायक है इन फलों के जूस का सेवन

1. नाशपाती का जूस

खट्टे-मीठे स्वाद वाला नाशपाती एंटीऑक्सीडेंट्स व मिनरल्स से भरपूर होता है। लेकिन इसका जूस सेहत के लिए बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं होता है। इसकी वजह से इसमें मौजूद सॉर्बिटोल शुगर, जो आसानी से पचती नहीं है। जो अपच, गैसजैसी समस्याओं की वजह बन सकती है।

2. अनानास का जूस

अनानास का जूस भी खट्टा-मीठे स्वाद लिए होता है जो लोगों को बहुत पसंद आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं इसमें शुगर की मात्रा ज्यादा होती है जिसकी वजह से शरीर में ब्लड का शुगर लेवल बढ़ सकता है।

वैसे अनानास के फल में कई तरह के विटामिंस और पोषक तत्व मौजूद जाते हैं जो जूस निकालने से खत्म हो जाते हैं। तो जूस पीने की जगह अनानास खाएं।

3. एप्पल जूस

जहां रोज़ाना एक सेब खाना सेहत के लिए

फायदेमंद माना जाता है वहीं इसका जूस सेहत के लिए किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं होता क्योंकि बाहर इसका जूस बनाते वक्त बीज कई बार निकाला नहीं जाता।

घुंघराले बालों की समस्या: आजमाइए ये घरेलू नुस्खे

आमतौर पर ज्यादातर महिलाएं अपने बालों को घुंघराले यानी कर्ली लुक देने की कोशिश करती हैं। जबकि कुछ महिलाओं के बाल प्राकृतिक रूप से घुंघराले होते हैं और उन्हें उलझाव, रूखापन और टूटने जैसी बालों की समस्याओं का काफी सामना करना पड़ता है। अगर आप भी अपने घुंघराले बालों के साथ इन समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो इनसे छुटकारा दिलाने में ये पांच घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब का सिरका आएगा काम

सेब का सिरका एक प्राकृतिक हेयर क्लेरिफायर के रूप में काम करता है और आपके घुंघराले बालों को मुलायम बनाने के साथ चमक देता है।

लाभ के लिए सेब के सिरके और पानी की बराबर मात्रा को मिला लें और फिर अपने बालों को अच्छी तरह से शैंपू करके इस घोल से अपने बालों को धो लें। इसके बाद अपने सिर को ठंडे पानी से फिर से धो लें। महीने में दो बार इस नुस्खे को दोहराएं।

अंडे का करें इस्तेमाल

अंडे प्रोटीन समेत कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो घुंघराले बालों का टूटना रोकने के साथ उन्हें मुलायम भी बना सकते हैं। लाभ के लिए एक कटोरे में एक अंडा फेंट लें।

अब इसमें एक बड़ी चम्मच मेयोनीज और एक बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाएं। इसके बाद इसे अपने बालों में लगाकर 30 मिनट के बाद सिर को ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें। हफ्ते में एक बार इस प्रक्रिया को दोहराने से बड़ा लाभ मिलेगा।

बीयर है प्रभावी

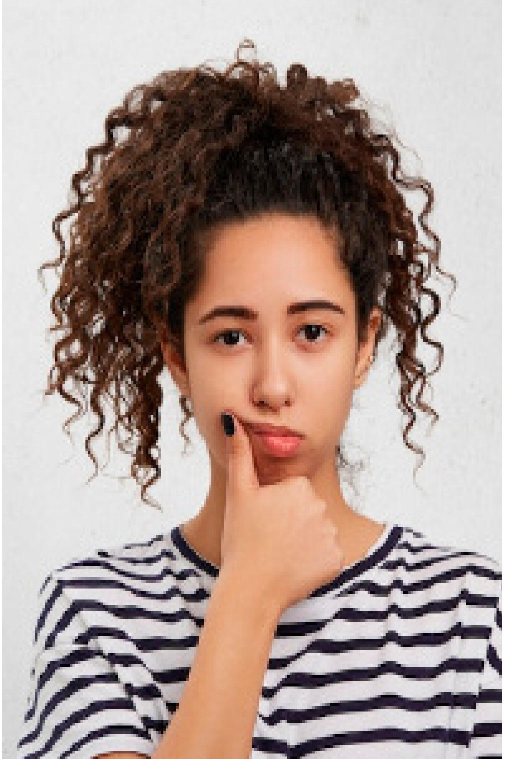

बीयर घुंघराले बालों को आसानी से सुलझाने से लेकर इनके टूटने की संभावना कम होने जैसे कई लाभ मिल सकते हैं। लाभ के लिए सबसे पहले अपने बालों को शैंपू और पानी से धो लें। अब धीरे-धीरे अपने बालों पर बीयर डालें और इसे लगभग पांच मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद सिर को फिर से ठंडे पानी से धो लें। हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करें। इससे बालों की चमक और बढ़ जाएगी।

एवोकाडो करेगा मदद

एवोकाडो में विटामिन- ई एक प्रमुख पोषक तत्व है। यह आपके घुंघराले बालों को मजबूती प्रदान करने के साथ उन्हें चमकदार बनाने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए एक एवोकाडो को मैश करके इसके साथ दो बड़ी चम्मच दही मिलाएं। अब इस पेस्ट को अपने बालों में लगाएं और लगभग एक घंटे के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद सिर को पानी से धो लें और फिर हमेशा की तरह शैंपू करें।

एलोवेरा जेल लगाएं

एलोवेरा स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित करता है, जिससे बालों का झडन्ना रूकता है। इसके अतिरिक्त, यह बालों से डैंड्रफ दूर करने समेत इन्हें हाइड्रेट रखता है। लाभ के लिए हफ्ते में दो बार ताजे एलोवेरा जेल से अपने बालों में मालिश करें। फिर इसे 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

योग

योग एक प्राचीन विज्ञान है या यूं कहें कि मानव जाति के लिए एक उपहार है। तब भी, हमारे गुरु मानव शरीर की जटिल मशीन की कार्यप्रणाली जानते थे। यदि गुरुओं द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार सही तरीके से योग किया जाए, तो यह मानव शरीर को जबरदस्त फायदे पहुंचा सकता है।

Tuesday
14 November 2023

BNM Fantasy

खिचड़ी 2 का दूसरा गाना रिलीज

दिवाली के मौके पर सलमान खान और कटरीना कैफ की फिल्म टाइगर 3 (Tiger 3) रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म के पांच दिन बाद 17 नवम्बर को फैमिली कॉमेडी फिल्म खिचड़ी 2 सिनेमाघरों में पहुंचेगी। नवरात्रि त्योहार की बीच बुधवार को फिल्म का दूसरा गाना वंदा राका रिलीज किया गया है, जो थिरकने के लिए मजबूर करता है। गाने का टीजर विद्या बालन ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से शेयर किया है। गाने पर विद्या ने भी जेडी मजेठिया और कीर्ति कुल्हरी के साथ स्टेप्स किये हैं। इस गाने का ऑडियो पहले ही रिलीज कर दिया गया था। अब इसका वीडियो जारी किया गया है।

ट

'टाइगर 3' के ट्रेलर को मिली बेशुमार तारीफ

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और कैटरीना कैफ फिल्म 'टाइगर 3' में अपनी सुपर एजेंट टाइगर और जोया को फिर से निभाने के लिए वापस आ गए हैं। निर्माताओं ने 'टाइगर 3' का ट्रेलर जारी किया और इसने इंटरनेट पर देखते ही देखते धूम मचा दी। यह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्मों में से सबसे ज्यादा देखा जाने वाला ट्रेलर बन गया, जिसमें एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं। सलमान और कैटरीना ट्रेलर को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया और लोगों द्वारा उन पर बरसाए जा रहे प्यार से बेहद रोमांचित हैं। सलमान और कैटरीना सबसे लोकप्रिय ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक हैं, जिन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए दर्शक उमड़ पड़ते हैं। कैटरीना कहती हैं, 'टाइगर 3' के ट्रेलर को जो प्रतिक्रिया मिली है, उसे देखना अविश्वसनीय है। यह बेहद अद्भुत है कि हमें इतना प्यार मिल रहा है क्योंकि पूरी टीम ने टाइगर 3 को एक एक्शन ड्रामा बनाने के लिए अपना सबकुछ झोंक दिया है। यह टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है और मैं 'टाइगर 3' से लोगों की भारी उम्मीदों से अच्छी तरह वाकिफ हूं। मुझे खुशी है कि ट्रेलर को सर्वसम्मति से प्यार मिल रहा है और यह रिलीज होने तक 'टाइगर 3' अभियान के लिए शानदार माहौल तैयार करता है। वह कहती हैं, टाइगर और जोया एक ही पहेली के दो टुकड़े हैं। जब वे एक इकाई के रूप में एक साथ काम करते हैं तो वे करिश्माई और साहसी होते हैं।

शादी की साड़ी में आलिया भट्ट ने लिया नेशनल अवॉर्ड

तस्वीरें वायरल

हाल ही में राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया था। इस खास इवेंट के लिए सभी कलाकार दिल्ली पहुंचे थे। इससे पहले राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा की गई थी। अब दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विजेताओं को सम्मानित किया। इन अवॉर्ड्स की लिस्ट में बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट का भी नाम है। आलिया भट्ट ने फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए अवॉर्ड जीता। इस बार आलिया भट्ट का लुक काफी आकर्षक था। फिल्म में आलिया के बेहतरीन अभिनय के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में अभिनेत्री ने साड़ी पहनी हुई थी। अपने इस देसी लुक में वह बेहद खूबसूरत लग रही थी। उनकी इस साड़ी का भी एक खास कनेक्शन है। अवॉर्ड समारोह में आलिया ने वही साड़ी पहनी जो उन्होंने अपनी शादी में पहनी थी। आलिया भट्ट ने अपने करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड जीता है। इस मौके पर एक्ट्रेस आलिया भट्ट पति रणबीर कपूर के साथ पहुंचीं। यह जोड़ा अपनी जिंदगी के इस खास दिन के लिए काफी उत्साहित नजर आया। अपनी शादी की साड़ी पहनने पर फैंस आलिया की तारीफ कर रहे हैं। तो आलिया ने खुद भी कमेंट कर बताया है कि उन्होंने ये साड़ी क्यों पहनी। आलिया ने कहा, 'जिंदगी के एक खास दिन के लिए यह साड़ी भी बेहद खास है। इस साड़ी को दोबारा पहनना भी उतना ही आनंददायक है।' उन्होंने यह भी कहा है कि वह अपनी जिंदगी के खास पलों में हमेशा इस खास साड़ी को पहनेंगी। इस बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार एक नही बल्कि दो अभिनेत्रियों को मिला है। आलिया भट्ट ने अपनी फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। वहीं, कृति सेनन को फिल्म 'मिमी' के लिए यह अवॉर्ड देने की घोषणा की गई है। नेशनल अवॉर्ड जीतने पर एक्ट्रेस ने संजय लीला भंसाली का शुक्रिया अदा किया है। साथ ही उन्होंने इस अवॉर्ड का श्रेय भी उन्हीं को दिया है।